चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8.9.26	4	7-8

मशरूम उत्पादन छोटे किसानों के लिए बेहतर व्यवसाय

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि किसानों, बेरोजगार युवाओं एवं ग्रामीण उद्यमियों के कौशल विकास के लिए रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। मशरूम उत्पादन छोटे, सीमांत एवं भूमिहीन किसानों के लिए आय बढ़ाने का बेहतर व्यवसाय है। प्रशिक्षण का उद्देश्य उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं विपणन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी देकर प्रतिभागियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8-9-26	1	1

कृषि अधिकारी कार्यशाला कल से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएस एचएयू) में 9 और 10 सितंबर को रबी फसलों पर दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला आयोजित की जाएगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। इसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। कार्यशाला में रबी फसलों की नई तकनीकों पर आधारित सिफारिशों को अंतिम रूप दिया जाएगा। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	8-9.26	13	7-8

रबी फसलों पर कृषि अधिकारी कार्यशाला कल से

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में 9 एवं 10 सितंबर को कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8-9.26	7	7-8

कृषि अधिकारी कार्यशाला कल से

हिसार, 7 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में 9 व 10 सितम्बर को कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) आयोजित की जाएगी। दो दिवसीय कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8.9.26	5	7-8

हकृवि में रबी फसलों पर कृषि अधिकारी कार्यशाला 9 व 10 को

हिसार, 7 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में 9 व 10 सितंबर को कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) आयोजित की जाएगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. नरेश कौशिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी रबी मौसम की फसलों में लागू की जाने वाली नई तकनीकों पर आधारित सिफारिश को अंतिम रूप दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	8.9.26	4	4-5

कम लागत व संसाधनों में मशरूम उत्पादन बढ़ेगी किसानों की आमदनी : गोदारा

- हकृवि में 5 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न; उत्पादन से प्रसंस्करण व विपणन की तकनीकें बताईं

हिसार स्थित हकृवि में प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों के साथ प्रतिभागी। -हप्र

हिसार, 7 सितंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से 'मशरूम उत्पादन तकनीक' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के साधन के रूप में अपनाने की व्यावहारिक जानकारी दी गई। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों के लिए मशरूम उत्पादन कम संसाधनों में आय बढ़ाने का बेहतर विकल्प है। किसानों, बेरोजगार युवाओं और ग्रामीण उद्यमियों के कौशल विकास के लिए ऐसे रोजगारपरक प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने मशरूम उत्पादन को कम पूंजी में शुरू होने वाला लाभकारी एवं पर्यावरण-अनुकूल व्यवसाय बताया। डॉ. राकेश कुमार चुघ ने विभिन्न मशरूम प्रजातियों की उत्पादन लागत और बाजार मूल्य की जानकारी दी। डॉ. जगदीप सिंह ने बटन, ऑयस्टर, दूधिया और पैडी स्ट्रॉ मशरूम के उत्पादन की तकनीक समझाई। डॉ. संदीप भाकर ने स्पॉन लैब व उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए सरकारी योजनाओं और अनुदान की जानकारी दी। डॉ. विकास कुमार काम्बोज ने स्पेंट कम्पोस्ट के उपयोग तथा नियंत्रित वातावरण में उत्पादन की तकनीक बताई। डॉ. डीके शर्मा ने मशरूम से अचार, डिब्बाबंद उत्पाद, बिस्कुट, केक, बड़ी और पापड़ जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार कर अतिरिक्त आय अर्जित करने के तरीके बताए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मशरूम प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, स्पॉन, कम्पोस्ट और उत्पादन इकाइयों का भ्रमण कराया गया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8-9.26	5	1

रबी फसलों पर कृषि अधिकारी कार्यशाला 9 व 10 को

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में 9 व 10 सितंबर को कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) आयोजित की जाएगी। दो दिवसीय कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. नरेश कौशिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी रबी मौसम की फसलों में लागू की जाने वाली नई तकनीकों पर आधारित सिफारिश को अंतिम रूप दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8-9-26	4	1-6

मशरूम उत्पादन तकनीक से स्वरोजगार को बढ़ावा

विशेषज्ञों ने उत्पादन से लेकर मूल्यवर्धित उत्पादों तक की दी जानकारी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएस एचएयू) में मशरूम उत्पादन तकनीक पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से पुरुष और महिला प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों, बेरोजगार युवाओं और ग्रामीण उद्यमियों को मशरूम उत्पादन के जरिये स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। संस्थान के सहनिदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण रोजगारोन्मुखी है और मशरूम उत्पादन छोटे किसानों के लिए आय बढ़ाने का बेहतर माध्यम है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने इसे कम पूंजी में शुरू होने वाला लाभकारी व्यवसाय बताया।

पौध रोग विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार चुघ ने मशरूम की उत्पादन लागत और बाजार मूल्य की जानकारी दी। मशरूम वैज्ञानिक डॉ. जगदीप सिंह ने

एचएयू हिसार के अधिकारियों के साथ मशरूम प्रशिक्षण के प्रतिभागी। स्रोत : विवि

हरियाणा में बटन, ऑयस्टर, दूधिया और पैडी स्ट्रॉ मशरूम के सफल उत्पादन के बारे में बताया।

प्रशिक्षण के मुख्य बिंदु : वैज्ञानिक डॉ. संदीप भाकर ने मशरूम उत्पादन और स्पॉन लैब के लिए सरकारी योजनाओं व अनुदान की जानकारी दी। डॉ. विकास कुमार कांबोज ने स्पेंट कंपोस्ट के उपयोग और नियंत्रित वातावरण में उत्पादन की जानकारी दी।

डॉ. विकास हुड्डा ने मशरूम को पौष्टिक खाद्य बताया, जबकि डॉ. सरोज यादव ने सूत्रकृमि प्रबंधन और स्वच्छता पर मार्गदर्शन किया। डॉ. डीके शर्मा ने अचार, बिस्किट जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार कर अतिरिक्त आय अर्जित करने की सलाह दी। प्रतिभागियों को मशरूम प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला और उत्पादन इकाइयों का भ्रमण भी कराया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	8.9.26	13	7-8

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर कार्यक्रम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से 'मशरूम उत्पादन तकनीक' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम उत्पादन छोटे, सीमांत एवं भूमिहीन किसानों के लिए आय बढ़ाने का बेहतर माध्यम है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता, पौध रोग विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार चुघ, मशरूम वैज्ञानिक डॉ. जगदीप सिंह, वैज्ञानिक डॉ. संदीप भाकर, डॉ. विकास कुमार काम्बोज, डॉ. विकास हुड्डा, डॉ. सरोज यादव, डॉ. डीके शर्मा आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.9.26	7	1-2

अधिकारियों के साथ प्रतिभागी।

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 7 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि किसानों, बेरोजगार युवाओं एवं ग्रामीण उद्यमियों के कौशल विकास के लिए रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। मशरूम उत्पादन छोटे, सीमांत एवं भूमिहीन किसानों के लिए आय बढ़ाने का बेहतर व्यवसाय है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने मशरूम उत्पादन को कम पूंजी में शुरू होने वाला लाभकारी एवं पर्यावरण-अनुकूल व्यवसाय बताया। पौध रोग विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार चुघ ने विभिन्न मशरूमों की उत्पादन लागत एवं बाजार मूल्य की जानकारी दी। मशरूम वैज्ञानिक डॉ. जगदीप सिंह ने हरियाणा में बटन, ऑयस्टर, दूधिया एवं पैडी स्ट्रॉ मशरूम के सफल उत्पादन की जानकारी देते हुए विशेष एवं औषधीय मशरूमों की तकनीक, प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं विपणन के बारे में बताया। वैज्ञानिक डॉ. संदीप भाकर ने मशरूम उत्पादन एवं स्पॉन लैब के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं एवं अनुदान की जानकारी दी। डॉ. विकास कुमार काम्बोज ने स्पेंट कम्पोस्ट के उपयोग तथा नियंत्रित वातावरण में मशरूम उत्पादन की जानकारी दी। डॉ. विकास हुड्डा ने मशरूम को पौष्टिक खाद्य बताया, जबकि डॉ. सरोज यादव ने सूत्रकृमि प्रबंधन एवं स्वच्छता तथा डॉ. डी.के. शर्मा ने मशरूम से अचार, डिब्बाबंद उत्पाद, बिस्कुट, केक, बड़ी एवं पापड़ जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार कर अतिरिक्त आय अर्जित करने की जानकारी दी।